स्वास्थ्य सूचना तंत्र (Health Information System)

जैविक सांख्यिकी क्या है? जैविक सांख्यिकी के उपयोग एवं महत्व क्या हैं?

What is vital statistics? What are the uses and importance of vital statistics?

अथवा

अनिवार्य आँकड़ों को परिभाषित कीजिए।

Define vital statistics.

उत्तर- जैविक सांख्यिकी (Vital Statistics) जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे जन्म-मृत्यु, विवाह, बीमारी आदि संबंधी विभिन्न तथ्यों का एकत्रीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या कर निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया जैव सांख्यिकी (Vital Statistics) कहलाती है।

सकल जन्म दर (Crude Birth Rate), सकल मृत्यु दर (Crude Death Rate), मातृ मृत्यु दर (Maternal Mortality Rate), परिप्रसव मृत्युदर (Perinatal Mortality Rate), जीवन जीने की प्रत्याशा (Expectation of life), किसी बीमारी की घटना दर (Incidence Rate of any diseases), किसी बीमारी की फैलाव दर (Prevalence Rate of any disease) आदि महत्वपूर्ण जैव सांख्यिकी दर हैं। ये साख्यिकी दरें महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतक (Health indicators) होती हैं।

जैव सांख्यिकी के उद्देश्य (Objectives of Vital Statistics) -

1. बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के नियोजन एवं क्रियान्वयन हेतु विभिन्न घटनाओं से संबंधित आँकड़े एकत्रित करना।

2. सभी स्तर के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं प्रबंधकों को विभिन्न जैविक घटनाओं से

nursingyan.com

संबंधित नवीनतम एवं शुद्ध आँकड़े उपलब्ध करवाना।

3. प्रदान की गई स्वास्थ्य सेवाओं के मूल्यांकन में सहयोग करना।

4. समुदाय एवं देश में मौजूद विभिन्न संसाधनों (जैसे मानव शक्ति, धन एवं सामग्री) के यथासंभव सर्वश्रेष्ठ वितरण एवं उपयोग को बढ़ावा देना।

5. स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाले अनुसंधानों को बढ़ावा देना।

जैव सांख्यिकी के उपयोग (Uses of Vital Statistics) -

1. जैव सांख्यिकी द्वारा प्रदत्त आँकड़े समुदाय विशेष तथा देश के लोगों के स्वास्थ्य स्तर के बारे में सूचनाएँ प्रदान करते हैं।

2. जैव साख्यिकी आँकड़े समुदाय एवं देश के लोगों की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं एवं आवश्यकताओं के आँकलन में सहायक होते हैं जिनके आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर नियोजन एवं क्रियान्वयन संभव हो पाता है। इस प्रकार ये आँकड़े स्वास्थ्य संबंधी निर्धारित लक्ष्यों की प्रभावी ढंग से प्राप्ति में सहायक होते हैं।

3. जैव साख्यिकीय आँकड़े एक समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य स्तर की दूसरे देश के लोगों के स्वास्थ्य स्तर से तुलना करने में उपयोगी होते हैं।

4. जैव साख्यिकीय आँकड़े सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के मूल्यांकन में भी सहायक होते हैं। इस मूल्यांकन के आधार पर आवश्यकतानुसार इन स्वास्थ्य सेवाओं की पुनःयोजना निर्माण तथा क्रियान्वयन में सहायता मिलती है।

5. ये आँकड़े समुदाय तथा देश में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों के यथासंभव सर्वश्रेष्ठ

nursingyan.com

उपयोग एवं वितरण को बढ़ावा देते हैं।

6. ये आँकड़े स्वास्थ्य विभाग की स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में प्राथमिकता निर्धारित करने में मदद करते हैं।

7. ये आँकड़े स्वास्थ्य विभाग की स्वास्थ्य नीतियों एवं कार्यप्रणाली में आवश्यकतानुसार संशोधन करने में मदद करते हैं।

Answer - Vital Statistics: The process of collecting, analyzing and interpreting various facts related to important events of life like birth, death, marriage, illness etc. and drawing conclusions is called Vital Statistics.

Crude Birth Rate, Crude Death Rate, Maternal Mortality Rate, Perinatal Mortality Rate, Expectation of life, Incidence rate of any disease. Incidence Rate of any diseases, Prevalence Rate of any disease etc. are important biostatistical rates. These statistical rates are important health indicators.

Objectives of Vital Statistics -

1. To collect data related to various incidents for planning and implementation of better health services.

2. To provide latest and accurate data related to various biological incidents to health officers and managers at all levels.

nursingyan.com

3. To assist in the evaluation of health services provided.

4. To promote the best possible distribution and utilization of the various resources (such as manpower, money and materials) available in the community and the country.

5. To promote research in the field of health.

Uses of Vital Statistics -

1. The data provided by biostatistics provides information about the health level of the people of a particular community and country.

2. Biostatistics data is used in assessing the health related problems and needs of the people of the community and the country.They are helpful on the basis of which better planning and implementation of health services becomes possible. Thus, these data are helpful in effectively achieving the health related goals.

3. Biostatistical data are useful in comparing the health level of people of one community with the health level of people of another country.

4. Biostatistical data are also helpful in evaluating various health schemes run by the government. On the basis of this evaluation, it helps in re-planning and implementation of these health services

nursingyan.com

as per requirement.

5. These data promote the best possible use and distribution of the various resources available in the community and the country.

6. These data help the health department to set priorities in the implementation of health services.

7. These data help in making necessary amendments in the health policies and procedures of the health department.

स्वास्थ्य संकेतक क्या होते हैं? स्वास्थ्य संकेतकों के उपयोग समझाइए।

What are the health indicators? Describe uses of health indicators.

उत्तर- स्वास्थ्य संकेतक (Health Indicators) स्वास्थ्य संकेतक (Health Indicators) वे चर (variables) होते हैं जोकि किसी समुदाय, राज्य या देश के लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के मापन हेतु उपयोग में लाए जाते हैं, ये संकेतक लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति में होने वाले सकारात्मक अथवा नकारात्मक परिवर्तनों के बारे में सूचनाएँ प्रदान करते हैं। सामान्यतः जब लोगों के स्वास्थ्य के स्तर तथा इसमें हुए परिवर्तनों का प्रत्यक्ष रूप से ऑकलन करना असंभव हो, उस स्थिति में इन संकेतकों का उपयोग किया जाता है।

स्वास्थ्य संकेतकों के उपयोग (Uses of Health Indicators)

nursingyan.com

1. ये किसी समुदाय अथवा देश के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर के बारे में सूचनाएं प्रदान करते हैं।

2. ये एक देश का दूसरे देश, एक समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य स्तर की दूसरे समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर से तुलना करने में उपयोगी होते हैं।

3. ये सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों (National Health Programmes) के तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के मूल्यांकन में सहायक होते हैं।

4. मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त आकड़ों के आधार पर ये संकेतक स्वास्थ्य योजनाओं तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के नियोजन तथा क्रियान्वयन के बारे में मार्गदर्शन देते हैं।

5. ये विभिन्न स्वास्थ्य संसाधनों (resources) के उचित तरीके से वितरण तथा उपयोग में भी सहायक होते हैं।

6. ये विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित आवश्यकताओं (health need) के ऑकलन (assessment) तथा उन स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वन में भी सहायक होते हैं।

7. ये स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न अनुसंधानों को भी बढ़ावा देते हैं।

Answer- Health Indicators Health Indicators are those variables which are used to measure the health status of the people of a community, state or country. Provide information about positive or negative changes occurring. Generally, these indicators are used when it is impossible to directly assess the level of health of people and the changes in it.

Uses of Health Indicators

nursingyan.com

1. They provide information about the level of health of the people of a community or country.

2. They are useful in comparing the health level of people of one community with that of another country, or in comparing the health level of people of another community.

3. They are helpful in evaluating various National Health Programs and various health schemes run by the government.

4. Based on the data obtained through evaluation, these indicators provide guidance on planning and implementation of health plans and national health plans.

5. They also help in proper distribution and utilization of various health resources.

6. They are also helpful in assessment of various health related needs and implementation of those health services.

7. They also promote various health related research.

स्वास्थ्य स्तर के मापन हेतु उपयोग में लिए जाने वाले विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों की सूची बनाइए।

List the various Health Indicators used for the measurement of health status.

उत्तर- स्वास्थ्य स्तर के मापन हेतु उपयोग में लिए जाने वाले विभिन्न स्वास्थ्य संकेतक (Various Health Indicators used for the Measurement of Health Status) समुदाय के स्वास्थ्य स्तर के मापन के लिए विभिन्न स्वास्थ्य संकेतक उपयोग में लिए जाते हैं। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं-

nursingganj.com

1. मृत्यु संख्या स्वास्थ्य संकेतक

• सकल मृत्यु दर

• मातृ मृत्यु दर

• शिशु मृत्यु दर

• नवजात मृत्यु दर

• परिप्रसव मृत्यु दर

• जीवन जीने की प्रत्याशा

2. अस्वस्थता संकेतक

• घटना दर

• फैलाव दर

• अस्पतालों व स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती रोगियों की संख्या

• विद्यालय तथा व्यावसायिक कार्यों में अवकाश

3. असमर्थता संकेतक

4. पर्यावरणीय संकेतक

5. स्वास्थ्य देखभाल वितरण संकेतक

• चिकित्सक जनसंख्या अनुपात

• अस्पतालों में पलंगों की संख्या व जनसंख्या अनुपात

• नर्स जनसंख्या अनुपात

6. पोषण संबंधी संकेतक

nursingyan.com

• नवजातों का जन्म के समय वजन

• बच्चों का वजन, लंबाई, भुजा का घेरा तथा सीने का घेरा

7. सामाजिक-आर्थिक संकेतक

• जनसंख्या वृद्धि दर

• बेरोजगारी की स्थिति

• आवासीय सुविधाएं

• गरीबी तथा महंगाई की स्थिति

8. स्वास्थ्य नीति संकेतक

9. अन्य संकेतक

• नशे की प्रवृत्ति

• समुदाय में हत्या, आत्महत्या व हिंसा की घटनाएं

Answer: Various health indicators used for the measurement of health status. Various health indicators are used to measure the health level of the community. Some of these are as follows-

1. Death Number Health Indicator

• Gross mortality rate

• Maternal mortality rate

• Infant mortality rate

nursingyan.com

• neonatal mortality rate

• perinatal mortality rate

• life expectancy

2. Discomfort indicators

• incidence rate

• spread rate

• Number of patients admitted in hospitals and health centers

• Leave from school and professional work

3. Inability indicator

4. Environmental Indicators

5. Health Care Delivery Indicator

• physician population ratio

• Number of beds in hospitals and population ratio

• Nurse Population Ratio

6. Nutritional Indicators

• weight of newborns at birth

• Children's weight, height, arm circumference and chest circumference.

7. Socio-Economic Indicators

• population growth rate

nursinggyan.com

• unemployment situation

• residential facilities

• Situation of poverty and inflation

8. Health Policy Indicators

9. Other indicators

• Drug addiction

• Incidents of murder, suicide and violence in the community.

निम्न स्वास्थ्य संकेतकों को परिभाषित कीजिए।

Define the following health indicators.

सकल मृत्यु दर (Total death rate)

मातृ मुत्यु दर (Maternal mortality rate)

शिशु मृत्यु दर (Infant mortality rate)

नवजात मृत्यु दर (Neonatal mortality rate)

परिप्रसव मृत्यु दर (Perinatal mortality rate)

जीवन जीने की प्रत्याशा (Expectation of life)

उत्तर- 1. सकल मृत्यु दर (Total Death Rate) किसी क्षेत्र में एक वर्ष में 1000 की अनुमानित मध्य वर्ष जनसंख्या पर होने वाली मृत्यु की संख्या सकल मृत्यु दर कहलाती है।

nursingyan.com

$$\text{सकल मृत्यु दर} = \frac{\text{एक वर्ष में कुल मृत्यु की संख्या}}{\text{उसी वर्ष की अनुमानित मध्य वर्ष जनसंख्या}} \times 1000$$

2. मातृ मृत्यु दर (Maternal Mortality Rate) एक वर्ष में 1000 जीवित पैदा हुए शिशुओं पर उसी वर्ष गर्भावस्था (pregnancy), प्रसव (labour) व सूतिकावस्था (डिलीवरी के बाद अगले 6 सप्ताह या 42 दिन का समय) के दौरान गर्भावस्था एवं प्रसव संबंधित समस्याओं के कारण महिलाओं की होने वाली मृत्यु की संख्या मातृ मृत्यु दर कहलाती है।

विकसित देशों में मातृ मृत्यु दर का आँकड़ा विकासशील देशों की तुलना में कम है। किसी देश की मृत्यु दर यदि कम है तो वह इस बात का संकेतक है कि वहाँ के लोगों के स्वास्थ्य का स्तर अच्छा है तथा इस बात का प्रतीक है कि वहाँ की महिलाओं की गर्भावस्था, प्रसव प्रक्रिया तथा सूतिकावस्था (puerperium) के दौरान उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

$$\text{मातृ मृत्यु दर} = \frac{\text{एक वर्ष में गर्भावस्था, प्रसव व सूतिकावस्था के दौरान होने वाली महिलाओं की कुल मृत्यु की संख्या}}{\text{उसी वर्ष कुल जीवित जन्मों की संख्या}} \times 1000$$

3. शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality Rate) - एक वर्ष में एक हजार पैदा हुए जीवित बच्चों पर उसी वर्ष होने वाली शिशुओं की कुल मृत्यु की संख्या, शिशु मृत्यु दर कहलाती है।

किसी देश की शिशु मृत्यु दर का कम होना उस देश के लोगों के स्वास्थ्य स्तर के बेहतर होने का संकेत है। शिशु मृत्यु दर का कम होना मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत किस्म के होने, लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के अच्छा होने, पर्यावरणीय स्थितियों के स्वास्थ्य अनुकूल होने आदि का प्रतीक है।

nursingguan.com

$$IMR = \frac{\text{एक वर्ष में होने वाली शिशुओं की मृत्यु की कुल संख्या}}{\text{उसी वर्ष कुल जीवित जन्मों की संख्या}} \times 1000$$

4. नवजात मृत्युदर (Neonatal Mortality Rate) एक वर्ष में एक हजार जीवित जन्मों पर जन्म के 4 सप्ताह या 28 दिन के अन्दर होने वाली मृत्यु की कुल संख्या नवजात मृत्यु दर (Neonatal Mortality Rate) कहलाती है।

नवजात मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सेवाएँ जोकि माता तथा शिशु को प्राप्त होती हैं, की गुणवत्ता, लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्तर, पर्यावरणीय परिस्थितियों आदि का दर्पण होती है।

$$NMR = \frac{\text{जन्म के 4 सप्ताह या 28 दिन के अन्दर होने वाली नवजातों की कुल मृत्यु की संख्या}}{\text{उसी वर्ष कुल जीवित जन्मों की संख्या}} \times 1000$$

5. परिप्रसव मृत्यु दर (Perinatal Mortality Rate) एक वर्ष में एक हजार जीवित जन्मों पर गर्भावस्था के 28वे सप्ताह से लेकर प्रसव के पश्चात् एक सप्ताह तक की अवधि के दौरान होने वाली शिशुओं की कुल मृत्यु संख्या, परिप्रसव मृत्यु दर (Perinatal Mortality Rate) कहलाती है।

परिप्रसव मृत्यु पर एक महिला को गर्भावस्था एवं प्रसव प्रक्रिया के दौरान तथा उसके नवजात को जन्म के पश्चात् प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

nursinggyan.com

6. जीवन जीने की प्रत्याशा (Expectation of Life) जीवित जन्म लेने के बाद मृत्यु के विभिन्न खतरों के रहते हुए भी एक व्यक्ति द्वारा जीवित रहने वाले वर्षों की औसत संख्या, जीवन जीने की प्रत्याशा कहलाती है।

विकसित देशों में निवास कर रहे लोगों के जीवन जीने की प्रत्याशा विकासशील देशों में निवास कर रहे लोगों के जीवन जीने की प्रत्याशा की तुलना में अधिक होती है। जीवन जीने की प्रत्याशा लोगों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, पोषण स्तर, पर्यावरणीय परिस्थितियों आदि का प्रतिफल है।

Answer- 1. Total Death Rate: The number of deaths occurring in an area in a year for an estimated mid-year population of 1000 is called gross death rate.

2. Maternal Mortality Rate (Maternal Mortality Rate) per 1000 live births in a year, during pregnancy, labor and gestation (next 6 weeks or 42 days after delivery) in the same year. The number of deaths of women due to related problems is called maternal mortality rate.

The maternal mortality rate in developed countries is lower than that of developing countries. If the mortality rate of a country is low, then it is an indicator that the health level of the people there is good and it is a symbol of the high level of health of the women there during pregnancy, delivery process and puerperium. Health services are being provided.

3. Infant Mortality Rate - The total number of deaths of infants per thousand live children born in a year is called infant mortality rate.

nursingyan.com

Low infant mortality rate of a country is an indication of better health level of the people of that country. Low infant mortality rate is a symbol of improved quality of maternal and child health services, good socio-economic status of people, environmental conditions being favorable for health etc.

4. Neonatal Mortality Rate: The total number of deaths occurring within 4 weeks or 28 days of birth out of one thousand live births in a year is called Neonatal Mortality Rate.

5. (Perinatal Mortality Rate) Perinatal mortality provides information about the quality of health services provided to a woman during pregnancy and delivery and to her newborn after birth.

6. Expectation of Life: The average number of years a person remains alive despite various risks of death after being born alive is called expectancy of life.

The life expectancy of people living in developed countries is higher than the life expectancy of people living in developing countries. Life expectancy is a result of the quality of health services people are getting, social and economic status of people, nutritional level, environmental conditions etc.

घटना दर व फैलाव दर को परिभाषित कीजिए।

nursingguan.com

Define incidence rate and prevalence rate.

उत्तर- घटना दर (Incidence Rate) किसी क्षेत्र में किसी बीमारी के कुल नए मरीजों की संख्या घटना दर (incidence rate) कहलाती है। किसी क्षेत्र का incidence rate का कम या अधिक होना वहाँ के स्वास्थ्य स्तर को दर्शाता है।

फैलाव दर (Prevalence Rate) किसी क्षेत्र में किसी बीमारी से ग्रसित कुल मरीजों की संख्या फैलाव दर कहलाती है इसमें उस बीमारी के कुल मरीजों (नए तथा पुराने) को शामिल किया जाता है।

Answer: Incidence Rate: The total number of new patients of a disease in an area is called incidence rate. The increase or decrease in the incidence rate of an area reflects the health level there.

Prevalence Rate: The total number of patients suffering from a disease in an area is called prevalence rate. It includes the total patients (new and old) of that disease.

जैव सांख्यिकी में सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका का वर्णन कीजिए।

Describe role of community health nurse in vital statistics.

उत्तर- जैव सांख्यिकी में सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका (Role of Community Health Nurse in Vital Statistics) - सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की जैव सांख्यिकी में भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उसके द्वारा एकत्रित किए गए तथ्य एवं सूचनाएँ जैव सांख्यिकी तैयार करने में काफी मददगार होते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की जैव सांख्यिकी में मुख्य भूमिका निम्न है-

1. नर्स अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न तथ्यों को एकत्रित करती है जिनके

nursingsgan.com

विश्लेषण एवं व्याख्या से जैव साख्यिकी तैयार किए जाते हैं।

2. स्वास्थ्य केन्द्र पर अपनी सेवाओं के क्रियान्वयन के दौरान नर्स विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स तैयार करती है। ये रिकॉर्ड्स इन स्वास्थ्य केन्द्रों पर आने वाले रोगियों की व्यक्तिगत जानकारियाँ, उनके रोग के निदान एवं दिए गए उपचार से संबंधित होते हैं जैसे रोगी की उम्र, लिंग, व्यवसाय, धर्म, शैक्षणिक स्तर, बीमारी का नाम, उपचार पद्धति आदि।

3. गृह मुलाकात के दौरान नर्स विभिन्न तथ्य एकत्रित करती है जो समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं आवश्यकताओं का आँकलन करने और उसी अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में उसकी मदद करते हैं। ये तथ्य जैव सांख्यिकी तैयार करने में भी सहायक होते हैं।

4. नर्स विभिन्न स्रोतों से प्राप्त तथ्यों का अपने स्तर पर वर्गीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या करती है तथा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के नियोजन एवं क्रियान्वयन में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करती है।

5. नर्स अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को जैव सांख्यिकी के महत्व के बारे में बताती है तथा इसमें उनकी भूमिका से अवगत करवाती है। वह उन्हें स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न तथ्यों को शुद्धता के साथ एकत्रित करने की सलाह देती है।

6. नर्स जैव सांख्यिकीय संबंधी तथ्यों के एकत्रीकरण में अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का मार्गदर्शन करती है तथा उनके द्वारा एकत्रित किए गए तथ्यों का अवलोकन करती है।

nursingyan.com

7. नर्स विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी सर्वेक्षणों में भाग लेती है तथा विभिन्न प्रकार के तथ्यों का एकत्रीकरण करती है जो कि जैव सांख्यिकी तैयार करने में काफी सहायक होते हैं।

8. वह विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त तथ्यों को जैव सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों तक पहुँचाती है।

9. नर्स समुदाय के लोगों को जैव सांख्यिकी के महत्व से अवगत करवाती है तथा उन्हें इस प्रक्रिया में वांछित सहयोग देने के लिए प्रेरित करती है। वह समुदाय के लोगों को उनके परिवार में होने वाली जैविक घटनाएँ जैसे जन्म, मृत्यु, विवाह आदि का पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित करती है।

Answer- Role of Community Health Nurse in Biostatistics Vital Statistics) – Community health nurse plays an important role in bio-statistics. The facts and information collected by him are very helpful in preparing bio-statistics. The main role of community health nurse in biostatistics is as follows-

1. The nurse collects various health related facts in her area, from whose analysis and interpretation bio-statistics are prepared.

2. While performing her services at the health centre, the nurse prepares various types of health records. These records are related to the personal information of the patients visiting these health centers, the diagnosis of their disease and the treatment

nursingyan.com

given, such as the patient's age, gender, occupation, religion, educational level, name of the disease, treatment method etc.

3. During home visits, the nurse collects various facts which help her to assess the health problems and needs of the people in the community and implement health services accordingly. These facts are also helpful in preparing bio-statistics.

4. The nurse classifies, analyzes and interprets the facts obtained from various sources at her own level and interprets the findings.

Makes necessary changes in the planning and implementation of health services provided to the community on this basis.

5. The nurse tells her subordinates about the importance of biostatistics and makes them aware of their role in it. She advises them to collect various health related facts accurately.

6. The nurse guides her subordinates in the collection of biostatistical data and observes the facts collected by them.

7. The nurse participates in various health related surveys and collects various types of facts which are very helpful in preparing biostatistics.

nursingglen.com

8. She conveys the facts obtained from various sources to the officials of the Biostatistics Department.

9. The nurse makes the people of the community aware of the importance of biostatistics and motivates them to give desired cooperation in this process. She motivates the people of the community to register the biological events happening in their family like birth, death, marriage etc.

nursinggyan.com